(Pages : 3) **M – 4679**

Reg. No. : .....

Name : .....

First Semester M.A. Degree Examination, February 2022

S.D.E.

Hindi Language and Literature

HL 1101 – ANCIENT POETRY: EARLY AND RITI PERIODS

(2017 Admission onwards)

Time : 3 Hours Max. Marks : 75

I. सही उत्तर चुनकर लिखिए :

1. "कृष्णकौमुदी" किसकी रचना है?
   (देव, मतिराम, भूषण, घनानंद)

2. 'पृथ्वीराज रासो' में कुल कितने समय है?
   (79, 29, 69, 59)

3. पत्मावती किसकी बेटी है?
   (पृथ्वीराज, विजयपाल, शहाबुद्दीन, कुमोदमणि)

4. किसने केशवदास को 'कठिन काव्य का प्रेत' कहा?
   (आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, डॉ. नगेन्द्र, हजारी प्रसाद द्विवेदी, बच्चन सिंह)

5. 'सतसई' किस प्रकार का काव्य है?
   (वीर काव्य, खंड काव्य, महाकाव्य, मुक्तक काव्य)

6. किसने 'पृथ्वीराज रासो' को 'शुक-शुकी' संवाद में रचित माना है?
   (गणपति चन्द्र गुप्त, बच्चन सिंह, हजारी प्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा)

gcwcentrallibrary.in

P.T.O.

7. 'कीर्तिलता' किसकी रचना है?
(अमिर खुसरो, विद्यापति, सरहपाद, महावीर)

8. 'मेरी भव बाधा हरौ, राधा नगरी सोई' - किसकी पक्ति है?
(बिहारी, घनानंद, देव, भूषण)

9. इनमें भूषण की रचना चुनकर लिखिए :-
(रामचन्द्रिका, विभासागर, भावाविलास, शिवाबावनी)

10. 'बिहारी का नया मूल्यांकन' किसका आलोचनात्मक ग्रन्थ है?
(डॉ. नागेन्द्र, शंकर वसंत मृदुगल, डॉ. बच्चन सिंह, रामचन्द्र शुक्ल) **(10 × 1 = 10 Marks)**

II. किन्हीं सात प्रश्नों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :-

11. धुनि निसॉन बहु साद नाद सुर बजत पंच दिन।
दस हज़ार हय चढ़त हेम-नग जटित साज तिन।।
गज असंष गजपतिय मुहर सेना तिय संषह।
इक नायक, कर धरि पिनाक, घर भर रज सष्पह।।

12. अति चंचल जहँ दलै बिधवा बनी न नारि।
मन मोह्यो रिषिराज को अद्भुत रूप निहारि।।

13. बतरस-लालच लाल की मुरली धरी लुकाई।
लौंह करैं भौंहनु हँसे दैन कहैंनटि जाइ लैंह।।

14. बंसी-बट तट नट-नागर नटत मो में,
रास के विलास की मधुर धुनि बीन की।
भरि रही भनक बनक ताल तानन की,
तनक-तनक तामे खनक चरिन की।

15. प्रेम दुहाई फिरि घन आनंद बाँधि लिये कुल नेम गढासी।
रीझ सुजान सची पटरानी बचीबुधि बापुरी ह्वै कर दासी।।

16. तेरे ही भुजान पर भूतल को भार,
कहिबे को सेसनाग दिगनाग हिमाचल है।
तेरो अवतार जग पोसन भरनहार,
कछु करतार को न तामधि अगल है।

gcwcentrallibrary.in

17. समेन-पर सख सुअंबर रेदेखलधनि देह।
नवजल धरतर-चमकएं रेजनि विजुरी देह।।
आज देखलि धनि जाइ तेरे मोहि अपज लरंग।
कनकलता-जनि संचर रे महिं निरअवलंब।।

18. तंत्रीनाद, कबित्तरस, सरसराग, रति-रंग।
अनबूड़ेबूड़े, तरेजेबूड़ेसबअंग।।

19. भेरी धनेरी नरी सुर-नारी,
नरी सुर-नारि अलापी सभा में।
गाजत मेध धने सुर लाजत,
बाजत माया के द्वार दमामें।।

20. मनहुँ काम कामिनी रचिय रचिय रूप की रास।
पयु पंछी सब मोहिनी, सुर, नर, मुनियर पास। **(7 × 5 = 35 Marks)**

III. किन्हीं तीन पर लघु उत्तर लिखिए।

21. 'पत्मावती समय' के आधार पर पृथ्वीराज रासो के काव्य-सौष्ठव पर प्रकाश डालिए।

22. बिहारी के प्रकृति वर्णन की विशेषताओं की चर्चा कीजिए।

23. घनानंद की काव्यगत विशेषताओं का परिचय दीजिए।

24. केशवदास के काव्य के भाव पक्ष एवं शैली पक्ष पर प्रकाश डालिए।

25. विद्यापति के श्रृंगार वर्णन की समीक्षा कीजिए। **(3 × 10 = 30 Marks)**

gcwcentrallibrary.in